**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 135**

**14 मार्च, 2017 को उत्तर के लिए**

**पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा पर युद्ध-विराम का उल्लंघन**

**\*135. डॉ. टी. सुब्बारामी रेड्डी :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

**(क) विगत तीन वर्षों के दौरान जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान द्वारा वर्ष-वार कितनी बार युद्ध-विराम का उल्लंघन किया गया है ;**

**(ख) गोलाबारी में शहीद या घायल हुए सैनिकों/अधिकारियों की, वर्ष-वार, संख्या कितनी-कितनी है ;**

**(ग) इसी अवधि के दौरान मारे गए/घायल हुए नागरिकों की संख्या कितनी-कितनी है; और**

**(घ) अकारण की जाने वाली गोलाबारी से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर भारत की स्थिति को सशक्त बनाने हेतु क्या कार्रवाई की गयी है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?**

**उत्तर
रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

**(क) से (घ) : एक विवरण सभा के पटल पर रखा जाता है ।**

…2/-

-2-

**पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा पर युद्ध-विराम का उल्लंघन करने के बारे में राज्य सभा में दिनांक 14 मार्च, 2017 को उत्तर दिए जाने के लिए तारांकित प्रश्न संख्या 135 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क): जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलसी) पर पाकिस्तान द्वारा युद्ध-विराम उल्लंघनों का ब्यौरा निम्नवत है :

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **युद्ध-विराम उल्लंघनों की संख्या** |
| 2014 | 153 |
| 2015 | 152 |
| 2016 | 228 |

(ख): जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर युद्ध-विराम उल्लंघनों के दौरान शहीद और घायल हुए सैनिकों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं :

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **भारतीय सेना में हुए हताहत** |
|  | **घातक** | **गैर-घातक** |
| 2014 | 01 | 11 |
| 2015 | 06 | 17 |
| 2016 | 08 | 74 |

(ग): जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर युद्ध-विराम उल्लंघनों में मारे गए/घायल सिविलियनों की कुल संख्या निम्नवत हैं :

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **हताहत सिविलियन** |
|  | **मारे गए** | **घायल** |
| 2014 | 14 | 101 |
| 2015 | 16 | 71 |
| 2016 | 13 | 83 |

(घ): सीमा पर सेनाएं शत्रु की गोलाबारी का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त रूप से सशक्त हैं। सेनाओं में आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग सहित सतत सुधार किए जाते हैं ताकि शत्रु की गोलाबारी के प्रति उन्हें अधिक सुदृढ़ और प्रतिरोधक बनाया जा सके ।

\*\*\*